



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 339]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 11, 1982/कार्तिक 20, 1904

No. 339]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 11, 1982/KARTIKA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Fading is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1982

249/82-सीमाशुल्क

क्र० क्र० नि० 686(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के सीर्ब सं० 88.01/03 के अन्तर्गत आने वाले ऐसे वायुयान इंजनों, उपसाधनों और संयंत्रों को (जिन्हें इससे इसके पश्चात् उक्त वस्तुएं कहा गया है) जिनकी मरम्मत या प्रोबन्दास के लिए आवश्यकता है, जब उनका भारत में आयात किया जाए, उक्त पहली अनुसूची के प्रकीर्ण उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से और द्वितीय वर्णित अधिनियम की धारा 3 के प्रकीर्ण उन पर उद्ग्रहणीय प्रति-रिक्त शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि—

(क) उक्त वस्तुओं की निकासी के समय राजा मंत्रालय के राजा उत्पादन विभाग या सिविल बिमानों के महानिदेशक से सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष इस धारा का प्रमाणपत्र देना

किया जाता है कि उक्त वस्तुएं मरम्मत या प्रोबन्दास के लिए अपेक्षित हैं;

(ख) आयातकर्ता यह बचन रखते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करता है कि—

(1) वह मरम्मत या प्रोबन्दास के पश्चात् उक्त वस्तुओं या उक्त वस्तुओं जैसी वस्तुओं का आयात की तारीख से छह मास के भीतर या बड़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर प्रत्येक मामले में अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात करेगा अथवा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधान प्रदत्त करेगा कि वह साक्ष्य पेश करेगा कि उक्त वस्तुओं जैसी वस्तुओं का ऐसी वस्तुओं के जिनकी बाबत छूट का दावा किया गया है, आयात के पूर्व छह मास के भीतर पहले ही निर्यात किया जा चुका है;

(2) उक्त वस्तुओं या उक्त वस्तुओं जैसी वस्तुओं को पुनः निर्यात या निर्यात के पूर्व पहचान के लिए पेश करेगा;

(3) इस खंड के उपखंड (i) का अनुपालन करने में असफल रहने पर पूरे आयात शुल्क का संशय करेगा; और

(ग) उक्त वस्तुओं या उक्त वस्तुओं जैसी वस्तुओं के पुनः निर्यात पर आयात शुल्क की किंमत वापस का दावा नहीं किया गया है या किया जाएगा।

2. यह अधिसूचना 30 जून 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है प्रयुक्त रहेगी।

[फा० सं० 458/77/73-सीमाशुल्क-5]

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Revenue)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th November, 1982

**No. 249/82-CUSTOMS**

**G.S.R. 686(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts such aircraft engines, accessories and components (hereinafter referred to as the said articles), falling under heading No. 88.01/03 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as are in need of repairs or overhauling, when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule and the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act :

Provided that :—

- (a) a certificate from the Ministry of Defence, Department of Defence Production or the Director General of Civil Aviation to the effect that the said articles require repairing or overhauling, is furnished to the Assistant Collector of Customs at the time of clearance of the said articles;
- (b) the importer executes a bond undertaking :—
  - (i) to re-export the said articles or like the said articles after repairs or overhauling, within six months from the date of importation or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow in each case of to produce evidence to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that a like said article has already been exported within six months prior to the import of the said article in respect of which the exemption is claimed;
  - (ii) to produce the said articles or like the said articles for identification before re-export or export;
  - (iii) to pay the full import duty on failure to comply with the sub-clause (i) of this clause; and

(c) no drawback of import duty has been or shall be claimed on the re-export of the said articles or the like said articles.

2. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 30th day of June, 1985.

[F.No. 458/77/73-Cus. V]

**250/82 सीमाशुल्क**

सा० फा० नि० 687(अ).—केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, 1982 (1982 का 14) की धारा 44 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) को अधिसूचना सं० 136-सीमाशुल्क तारीख 11 मई 1982 का निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम संख्यांक 220 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"221 सं० 249/82 सीमाशुल्क, तारीख 11-11-1982"

[फा० सं० 458/77/73-सीमाशुल्क 5]

ए० सी० बक, प्रवर सचिव

**No. 250/82-CUSTOMS**

**G.S.R. 687(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 44 of the Finance Act, 1982 (14 of 1982), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 136—Customs, dated the 11th May, 1982, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 220 and the entries relating thereto, the following Serial No. and entries shall be inserted, namely :—

"221 No. 249/82-Customs, dated 11-11-1982".

[F.No. 458/77/73-Cus. V]

A.C. BUCK, Under Secy,